हमें कब मिलोगे श्याम

हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे,
हमें कब मिलोगे राम, हमें कब मिलोगे श्याम,
हमें कब मिलोगे रणछोड़ हमारे...

जैसे मिले प्रहलाद भगत को,
खंब पाड़ हिरणाकुश मारे,
हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे....

जैसे मिली प्रभु द्रुपत सुता को,
चीर बढ़ाकर लाज बचाऐ,
हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे....

जैसे मिली प्रभु बलि राजा को,
तीन पग नाप भूमि पर पधारे,
हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे....

जैसे मिले प्रभु जनक सुता को,
धनुष तोड़ घर भुप पधारे,
हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे....

जैसे मिली प्रभु शबरी भगत को,
कुटिया में आकर भोग लगाए,
हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे....

जैसे मिले प्रभु भाई मीरा को,
विष का प्याला अमृत बनाए,
हमें कब मिलोगे दीनानाथ हमारे....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28074/title/hume-kab-miloge-shyam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |